

DPN 5908

Title : सिलः सफू SILAH SA PHU

Run. No. 6599

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र / Hymn

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

नेपालका अर्थ (सिद्ध) पढे
Sanskrit text with Nepali
meaning.

Size in cms. 18 x 8

Folios 39

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

टिप्पणी : नेपाली 'काम हाहा'मा हुं (ॐ) हुं
मेमे, स्तोत्र भूईं मरु, अर्कोप

Remark : Stray writings in Nepali
on sep. Hymns also are
incomplete & stray.

सिंहः सप्त

五

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible][illegible]

पुस्तकालय

10

ਸਭੇਸ਼ਵਰੀ

१४०

मंजुसलीज नाथपरावतीक के ननस
 ध्यान्तदातामं सन्तमामिह सृष्टयुक्त
 गुरुसाथा सतसती भूमि सन्तुष्ट
 वीगुरु वनमा १७ नमासा न्यायः
 पादपमं सासनपीनप्रसूतमवातामक
 तादहृदवी तंसातदासकतसोपी सपानम
 पादपमं सासनपीनप्रसूतमवातामक

१८ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ वागव्यास उवाच ॥
 ॥ ब्रह्म धर्मसंघगणिद्वयस्तथाय ॥ १ ॥ मय्युपासीत ॥
 ससिंदुवारुनथांमूंशूंलूंमूंनैगंथिंठूंसूंयूंनूं ॥ २ ॥
 वेलावतमूनिगधिठूंसूंयूंनूं ॥ ३ ॥
 ब्रह्म धर्मसंघगणिद्वयस्तथाय ॥ ४ ॥ पूर्वज्ञानसं

गङ्गावाहनशीलमूलाख्यमूनिगार्थिदशसुयानूपसुका
सुयाडन॥वृद्धधर्म॥ ३ ॥दक्षिणशान्तिरुत्तम
वाहनशीलसंरुवमूनिगार्थिदशसुयानूपसुव
रुयाडनवृद्धधर्म॥ ४ ॥पश्चिमशान्तिरुत्तम
नवाहनशीलमूनिगार्थिदशसुयानूपसुव

गुलीयाडन॥वृद्ध॥ ५ ॥उत्तरवदनसुयानूपसुव
हानशीलमूनिगार्थिदशसुयानूपसुव
लिखापुथियाडन॥वृद्ध॥ ६ ॥पश्चिमवदनसुयानूपसुव
कायमनसुवृद्धल्लुद्धिऊनपनिखसुवकायम
माल॥ ७ ॥ ॐ ॥नागव्यावलि॥ ८ ॥

15
10
किञ्चनवनमनसगतमनहृदयप्रसन्नवान्
॥ १ ॥ गुवाहृदयलसविकाकमनस
अथाधरादयकाशद्वन्द्वयमश्रुतुदि
दिगल्लसविकाकमनसदनाशानजि॥
॥ २ ॥ मासगुहिलासनसंवायससु

5
नगवाजनथानाशःदशलडुडुडुहृदयवतः
वानाशस्यनसतदकालिपूयाशानजि॥
॥ ३ ॥ संसाल्याशममृतासगुवानामथास
हृगल्लवनखनाशःमदुजिगल्लिखसद्वना
दयालसशासनमनाधसियाशानजि॥

हे सातदा

पी न सातदा ॥ व पा म्पा दग्न सव पुक
सि ननगा सली शी हवन नूत वी ॥ शा नू
ती नम्य सली पुन क ता धनू पी बानी म ना हु
न स गाली तपी य् व व नी ला क य रान य न वी
दूत त स्या जा ती न सातदा ॥ ४ ॥ सं सात सा

न व व ना त व स्र पु सा ता प वान ता अ प स गा
धिय कि न ता नां वा य म ना र थ व वा व सि
धिय ठा न सातदा ॥ क यं ग यं ग प ती पु ती
त रा म्पा दा पी पृ थ स वा अ ग्ग नू च द न पु जी
ता नी नी त्र पु न म्य सी न सात व क म क

हावी ॥ तसा तपा ॥ ३ ॥ सपूत का व त व अ
दुया सा तपा स पा ता त म थ गी च सा त य प
जी ता नी म गु दी वा क स त जी वी त स व य य
॥ तसा तपा ॥ १ ॥ ख त य कृ प म गु हा र दी त
म गु ना क स वा थ सा ध क ज ना सृ ग ती ठा म वं

तसा तपा ॥ ५ ॥ ॐ ती सा तपा सु व ता त
स मा फ ४ ॥ ० ॥ उ न मा व द्यो य ग र व न मा ध
म य ता त न न म स य्या म ह त म ज दं वा स त
म द व क म क म द लें ज व त या पा ता त क
हृ ज गा रु नी म मी की ल तृ धा स्ता वा ध का ना

कैलाश तवी तास पुम् दी तली दय जववी
प्राधली प्रा तमा था प्रातरु तं मनी वन वचनं
ॐ त्रमाया तीस वं ॥ आ प्राना ॐ त्रका मा
असुरसुगना सिद्धि गव व नागाज था कुम्हा
डा कीन न प्राग नूत हनी रुता ॐ कृप क्कादी

द वा पुजा पुष्पापवा नीन श्रीरु वन न मीतं
मदनी पु नरु प्राश क्का हनी वव था म्माय
न मी तसी तसां महायान सु ० एन मा वृथा
यन माधमा यन मं सुया य ० नम ॥ ० ॥ त्र
तमपी सुन संधे सी दी गव वज था दी वीरु

वीसवीवी ठा ता एरा
त स ठी न मी सं व ध म
की स या ती पा लाय

५ ५ ५ ५

४ १२ ५५

15
10
लीमत्राऊं तु विसंवपंचपीदनेदने ॥ रणागपा
सइसकालमूकिनाथसंपर्ल ॥ ५ ॥ दंद
हासवर्षसासनिह्यत्रकवर्षनेरकीगिस
यंगीगकीगिहानधननअनीदः लीमत्राऊं ॥
२ ॥ लीसकिं अंगिकासीइषसाधुसासनेर

5
वसिष्ठद्युगिसत्रज्ञासिनकमिगपासन
लीमत्राऊं ॥ ३ ॥ काहाथियं नुदासः
काहाउसासिसत्रनेरदहाउमीरकिमूकि
दाहेनिनेरनेः लीमत्राऊं ॥ ४ ॥ ॐ ॥

१८ तमाम हाका लाय ॥ कृष्णवर्णं समानं चंद्रवर्णं समानं
लक्ष्मीं कर्णिकया लब्धवतीं मलकालं तमाप्तिहं ॥
लक्ष्मीं कालनादैकिकिनिमिषवर्णं लक्ष्मीं वपावर्णं ॥
लक्ष्मीं कालसमकालनपक्षिमस्येव काला कलागाः पक्ष
गामकया लीतनकलकधनं कामनूपीविनूपीः पिंगलपि

गुक्छमि नयनरुजधीक् ॥ वामखट्वांगयाय ॥ कर्लि सर्वोद
हंति दहित कवध नासाधयत्सं कन्यास्त्रात्वं माता वाधे सत्वा
जितगुह्यव वदाया तुवाभीमहाकाल ॥ ५८ नमः
अस्ममा रुकाय ॥ शतं रुस्याको मावीः कुमदिकदिकया रु
यसाला वरुयानिः मध्या नको रनूया रौ रितं कूं वैं वि कसि तवः

15
दत्तात्रयनशाविसात्राः संधायावृधनूपाः गत्रितकूवशगम
उमालावहति सादवदवदवागिरुवननतीवादेकपातुः
युष्मान् ॥ ॥ डंतमागलसायनमः ॥ खर्वस्थवत्तंग
किडवर्षेल्लादवंसुन्दरः प्राश्चितगंधमधूपतुः बालाल
गंधस्थवः ॥ दत्ताद्याटविदावेतादिनगंधांसिंधुवस्वलास्व

5
वंदन्दोल्लस्यतासूतः गलपति सिद्धरुलंकर्मरक्षो ॥
सुवश्नीतमासुखं वनदकामवृषिताविद्यावंहकविषा
मिमिद्धिरुवगुमश्चरः ॥ ॐ ॥ गडंतमासफवृद्धयः
उत्पंतावधूमस्थाः नृपतिवलकूलयाविपश्चीतिताम्ना

१॥ गन गाथा ली मसन वलन वि तव लं ॥ ह त य रि
मा हा मा प् कु ट द वि मा यी ॥ उ त य त र प् द य द्
वा मा हा वि ल वा क्क ॥ १ ॥ गन ॥ ह य वी ल ला स
ल अ ल ज न सिं वी सं नें ॥ ख ग व ल ॥ सह द व सि रि
ठी र थो व क र ज म र यी ह ॥ गन ॥ २ ॥ वा व ल मि
दा ठी थी ल अ ल ज न सि वी स न ख ही ॥ द य ठी स

क

ना त इ ल द वि ति नि वा क ला नि ग न ॥ ३ ॥



१३ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सु त्वाय नमः सर्यं कुरु सव
सत्वा संयुक्तं वदुः सु ता कुरु वदुः न ॥ सवैल्लभ्य
नमः कुरु नमः गुरु नमो भगवते ॥ नमः कुरु नमः
रवि नमो भगवते ॥ सवैल्लभ्य नमः कुरु नमः
सु त्वाय नमः कुरु नमः कुरु नमः कुरु नमः

थि नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सु त्वाय नमः सर्यं कुरु सव
सत्वा संयुक्तं वदुः सु ता कुरु वदुः न ॥ सवैल्लभ्य
नमः कुरु नमः गुरु नमो भगवते ॥ नमः कुरु नमः
रवि नमो भगवते ॥ सवैल्लभ्य नमः कुरु नमः
सु त्वाय नमः कुरु नमः कुरु नमः कुरु नमः

१५
०
रुपाहनवास्तुर्दंतवद्वल्लुल्लुनीमंत्रं ववा
कृष्णं पद्मपात्रीमल्लुल्लुनीमामि॥ कृष्णपा
शसखमातनमासकायुताडनाहृहृददहृ
उरवाथायुताथिडगायुवतावहृहृमाकपाताजा
माहानाथिडाववमहाकासहृ॥ थथिडहृप

५
पद्मानीवनसमकाला॥ २॥ मातात्रकनकरुव
वादीगहनगुयंउतविहृषिवाववदकुफाजिन
वहृचतायसुवर्धुवर्धुतांपद्मपात्रिमृदुगा
ननुनमामि॥ हृहृमाहृकाखासविहृकहृति
नगुजतसज्जुवदुकापतयकाहृसाकृगृहृम

15
10
सर्ववृत्तवर्षपञ्चमः॥ थथि ड कृ गृ ह्रि स गृ ह्रत
या ड विष्ठा कु म हा का म ह स रि तः॥ थथि ड व प्र का
निर्वे न म स्का र ॥ ३ ॥ तं ला क ना थ म व ला कि त नो न
वे यं ॥ उणा व वि र श द र व द स म्प ता क । विं ता म जि
व कं उ र य्मु कु ग य ॥ त प द्वा पा नि र्ति श व कु तं न म
मि ॥ कु ल यो ल स र्ग म न स म स ल क र्त्तु व ह कि तं

5
न व के ना म का श न र कृ र पा र स उा ना जू र्त्ता ग
॥ आ वा र्मु कि ता य्मु ॥ वि ता म नो र प्र का ना ॥ कु द न
स कृ वा स्ता क स म स्का क र्त्तु गृ पा ड न पा र्त्तु व द
या वि र्वे न म स्का र ॥ ४ ॥ वे र्म्मा ने ता सि व ह र्त्ता सी त
व स र्त्ता श र्त्ता व र्त्ता क नि मी ता व र्त्ता म ग र्त्ता स र्त्ता ॥
॥ आ र्त्ता कि तं व थ म र्त्ता र्त्ता र्त्ता र्त्ता र्त्ता र्त्ता र्त्ता र्त्ता

निवलमार्गददनमामि॥ कुरुया कुरुयमानान
गगानगालासिचके॥ समस्तलोकनवाक्यनाम
निनवालसंशालहासम्पद॥ रिशहाकविइ
दुनमोकपुष्पवाचसर्वलोकयात॥ यकाववि
यथिदपपुपानीर्त्तनमहात्मा॥ ५॥ गदावधन

ॐ

हं

नलकम्पुअविविमल॥ निवृत्तंदिविष्णुनलस
यद्रीयनालकिं सकलदुखविनाशपति॥ नयका
पाप्मीनरका॥ निशर्मनमामि॥ कुरुया कुरुयमानान
नामनअविचिनलकसंविज्ञातावश्रितनलखर
यकज॥ यद्वयादवत॥ विज्ञातावसर्वलोकया

15
10
दाहाद् वमावह कर्तृथयि च न ल क अग्नी मा
व कु॥ य प्र या नि तौ न म मा ॥ २ ॥ श गुण यं कि प्र
म या न ग र ग र मी॥ ह मे ता उ नी व ज्ञा ग न का म
ल्लव॥ य क म्मि मि मि व प्र सि त त नी मि कि॥ न य
प्र या नी ह न सा ह न तं त मा मि ॥ थ थ न त क ह मि

5
मा च का श उ म द न या नि स न॥ उ म ता जा या क व
ना क्काले॥ हा खामी का म लु पि नि॥ प द र्व य क्क ड ड या
व॥ न त क ह मि वि ना स उ ला व कं या ड र्त्त॥ ज म ता
ला श प्रा ण य लु म शा लु म णा न म स्का ल या न॥ थ थि
रु ह प्र मा च कु ल प प्र या नी र्त्त न म स्का ल ॥ ॥ ॥

तत्त्वा उच्यन्ते वाणि रूपा यन्माहुरा ये गुणा यान्मा
हयं कलश सर्वत्वा पुरा कं विना दश रा वि
किं दृष्टं यत्तु यत्तु वा दश न किं विना न मा
अतीतमाहुरा यन्माहुरा विद्या का कः
कनारव इत्येव ली कया दृष्टा श्वमावक इति

क १
 क २
 क ३
 क ४
 क ५
 क ६
 क ७
 क ८
 क ९
 क १०
 क ११
 क १२
 क १३
 क १४
 क १५
 क १६
 क १७
 क १८
 क १९
 क २०

क या के रु ल पा ल विष्णु डाडा पु त हा क ग थि ड धा
 सा क्रु ए ल या वा पा य व नः प्र थ प व णिं त य व
 ड पि त्या क न पी न् ल पा डा वा ड धु व ल स रु
 लं स न न् न् न् थ वि लंः थ थि क ल न् आ न् थ वि प
 म् व रु रु प रु पा नि व न म रु रु ला टा म्

15
10
आन्यरथ कुवपि जी नयु सत्त्वः संविद्य न क
नरु सवग नदि रिः पृष्ठिं ॥ लिख ह र क नृत्वा
इलानाः नं पद्मपानीह ॥ रक्त र वाब्रमा मि ॥ अ
तिव्यासवायाहापिनूल य वा इयु न कला या कवि
काः छाडाः थ धीहालाहा न पवि इहः ॥ म प्रज व स

5
पह आडा नय मान कीर्त्तः पु न्नाक य निशः ॥ स
लिपुनिमलज्जुल थ वि इह धना मायकु क्क पद्म वा
नीत्वन म स्फुट ॥ १० ॥ गत्वा न म नृवनडाडी
नवदुष्ट येः वि ता म नि क्क त्रिज ताल पु स स ॥ ११
ये क ता क्क श ग म्मः वला नी न क्कः नं पद्मपानी न

15
मल्लवकुतं नमामि॥ वदुस्ते नमस्वनाः था
यस्य कृतपालविक्राजश॥ विनामनिलमया
नजनः खिडथा यस्य जातुलमानया नः थु यतु
सुतकताकसगनपनीगपावनमस्कारया
नः थथिद्वर्षकारमावकुक्रयप्रयानित

5
नमस्कार॥ ११॥ गत्वा वजनवहिरगुमना
नथस्यः ऊदीयनदलमदुलरपीमुपाप्रवसि
कथनपत्नीगवितपनवेदः नयक्रयानीवत
वमोददनामामि॥ ज्वनष्टविरिगजायावमोय
नामदुर्गुनीदुखसिद्धमाहः थु वल्लसकुरु

15
10
पातुः कुरुते सस्य नवमाऽयं दस विहथ नगाः
नपि दुपापान नयाय कर्तुं नव विहता आऽर्क
नज्जुः थथिऽधमेऽयं दस विहता क्रव क्रव
निवेन नमस्कारं ॥ १२ ॥ गच्छा वये दिवी कुरुते
वपुः गान नसही नश्च वयी दिन दुखी नैव गाय

5
वयं गिवहि पुत्रे समुवा नमो भ्रातः नैव दुःखा
मिने न विच्छा कल नमामा ॥ ज्वन पुन दीवी
शुभ्र न वपुः गान नीसन क्रथुऽमसदा नया
हाम भद्र तिदुख मिस्त वानः था वरु सः कुरु
विक्रा पाल जग ॥ थु वरु वपा न सन नृ नम

15
10
कमलसुप्रतीदयकविहः थथिहवमासायक
कपकपा निवनमस्कर॥१३॥ निष्का मरुपः
मृपदणीतनाथसिहिः कामावसनवलीनैः नव
साकृन्नाली ४ धौतं प्रादस्यीवकयहि वलीनै
वमोवीरुः तं यप्रयानी वरुयध ननमाभी

5
॥ कृतेयारुसंखमातानः कामरुयापुत्रख
अथाठः साकृत्सयनीसकेवीकाडाठः हाक
सिपनिविनसप्रदयकवमोसत्रासदाठः
लाकसीपनीमोहारुपंथ्यरुसंहाकसिपनि
सप्रातहीमरुः थथिहश्रनं कुरुपुपु

15
10
सपुङ्ग पद्मवानि त्वनमसक ॥ १४ ॥ वीम
वदंमिकुमाभनीसमुहवतीः गत्वापठनभु
तिरुपमनुस्मैर्नती। नित्याहिरैयनधुना
ददंतीवमोः नयदमयानी हुवरगाउव
नमाप्ता ॥ मरुमृगुः नरकसहमासः श्रम

5
थानः कीरुपनी वसुतयथाः थथ पस
कुरुपाहः रमरुतुपनवीकाडाडाः वनेउव
दसवित्तः तमावृष्टायनमावृत्तमायः तमा
सयायः थथवापसंपकाडाकिरुपनिस
वावृष्टावथाहावास्यडानथथिडपद्र

धानिन्ननमस्कारा १५ ॥ दूरी यमाग्रे दया
 शा वर वष कृषूः दुष्टैर्दुःख हयपी पीत
 स वेसत्वा। व्या न्यादि वृषि व ह् कृही समुद्र
 हृत्तः तं व प्रपाता वरका इमा कं न मा मि
 ॥ मगाव दस ठा मगा ठा मगा इव सा स म

इत्थं बहसस्य तया सनतं गा व मा अ वि

लेथ वल्लसः सवसा माशदी नही न काश
 विलं धुवत्र सनात्र शनेः नान वनद प
 अप्रिलीः थयीरु रुद्वी मा वकु कल नाशु
 मायपुया निल्वनम छात ॥ १५ ॥ वाताह

२०
 १५
 १०
 ५
 ०

वनः वरुणं गजं नृणां
 यवनं वरुणं गजं नृणां
 मृदुः नृपदं मृदुः
 मृदुः नृपदं मृदुः
 मृदुः नृपदं मृदुः
 मृदुः नृपदं मृदुः

५
 ०

गता यः शिवानस क वसुधैव कुटुम्बकः
 यः शिवानस क वसुधैव कुटुम्बकः
 यः शिवानस क वसुधैव कुटुम्बकः
 यः शिवानस क वसुधैव कुटुम्बकः
 यः शिवानस क वसुधैव कुटुम्बकः

निशुनगसवाः तं यद्रूपानी कृ यनासक हनमा
मिः शीया नूनअवगागसमस्त कृतया नूनग
समावीनसं पुनश्चा कृतया नूनवीमिः शीय
य नैः अनसत्तवज्या रयाः कृतयाः थथी कृतया
यससाहजायभावकृत्त यद्रूपानी त्वनमस्त

लं ॥ १८ ॥ नानाहयस्तव ॥ प्रविष्टकी दुःखः
नाजुस्यदंदहयगाक्षसवी नूननः नचा पीमग
ह न कंदल गागी द नः न व प्रयानी अहप्रव
द दनमासी ॥ कृतया नूनखमास्त नानमस्त
हयमाव कृतः कृत हयवा नूननः नाजुस्यदंदह
यः ना कृतया हयः श्रुया हयः

नः मन्त्राद्या ह्यद्य च कुरु मा ह्यः मीया ह्यः ॥
न ह्यमावकुद्रयं कुरु यानीवनमसम् ॥ १८ ॥
वृहद्यं वगवीसा वसदा कीनीनाः शंय लीव्या वा
हकु सुवीयाग वृहवः ॥ १९ ॥ गकु सव ह्यद्यः वी
तासंप्रतिः न व कुरु यानी ह्यनास कर्तुं न मा मि

॥ आद्युद्या ह्यः शका सवा ही पा ह्यः वीसा सपा
ह्यः वगी ह्यह्य वृहवः वं कुरु यानीवनम
सम् ॥ २० ॥ ॥ शकु नां क मा ना पम वृम श मा च
पासनः पं कुरु क मा ना न मा प्र प वृम व धीः सव
पुनमः ॥ २१ ॥ शकु वपा पं व न व कुरु यानी
वनं न सं को र्ते व ह्यपा प स पा न मा मि ॥ २२ ॥

[illegible]

बसमीतीया नरुषः नाना दृम नीहखवय
खवाहीकुंज्ञा ह्यातपागदीअसापदम्
नितानेनैवप्रवान्नीहीर्यखसदात्रमाणि
थलंकनुनातडा ना वनि अकाहंयहूप्र
याश्रनगजकडीडूहृत्थाफूप्रखय

माहा व दसिर्त्थ वा ५ सो ध्रु पृ ह्र ख ७ स्र ग
हं स म स्र हा क न ह स न हः व्या क्र पृ ह्र ख या न स
म स्र सं व नी द य क वी शः ध्रु पृ पृ या नी व न
म स्र का हं ॥ २१ ॥ द व कृ व ह व नृ ह्य म व द न स्र
ग वृ उ ध म नी दा न व व दी न स्रः उ धा व न
वै

ग म नृ व ७ न म स्र हा मी ह नं यी सा व ग ह ६
७ न म स्र हा मी ॥ द व कृ न व न न य ह न न उ म स्र
जा न न म स्र हा या न ग व व न न उ धा गी क स्र नी
वी हा क नः द यी न स्र क नः न म स्र हा य न ॥ २२
॥ ये त्प य न न क रू ना न ठा नि त्प को हं शा
नि व पृ वी व य न व वी स्र व क मा श यी वी स्र

15
10
नि वह पृ न वी सा हं रा गीः पृ ह्यनी नी का हं म
वै स्य ते हां क र्ये ना भा ग्न न वृ प्र नृ क न ध क ह
ना न गः नी ल्य का हं प हं पृ स्ता या सां नी जू षी थी
किं र्यीः या ना का जू सी व डूः श्र ज क यी जूः
रा गी जू पृ रु या स्र व दः पृ ह सा क सः ला क

5
अ हं ना व अ द । ५ पृ गी २४ ॥ स की ली र्य ती
न वा व अ सा हा नू रा गी हा री दी वा व न व ना म म नृ स
म ली तीः ५ अ व न यी अ वा व वि ना स र्य ती र व द व
र न ते व र थ य ती ॥ था क लू ना न श्र म स ना न
अ पृ गी म पा म हा वि ह जू र्य यो कं म था हः रु र

15
क्रिन संवान संकृत्य ह र स म र पा डू व क्रु पा म
शन क्रु ना पां क्रु रु स म द न स म स पा ती
उ व र पा न स म स द वं स
क र ना स म ग ना उ स मां

ठा २ ३

5
तीन स म इ लान दी न ता ग्या को नी को हं द ॥
उन मो ॥ ना द म क्रु ज म थं को ष सार भाषा ॥ पु थ म स
द त प दे ग ग दा मू त्री का वा म मृ ग मा का म द व द स
पा द नः पु ती प दा का मू वा गो रे मृ ग मा त द ॥ पृ ह
स हे ना ई हा त हे स मा ई ह्या उ न ॥ ५ ती या का दी न ॥

15
10
श्री का वास वै तारमा वसुदः परह कं द द न अग्रमा
वसुदः त्री तीया का दी न अस्ती का वास गौरी गाथा मा वसुद
॥ चौथी का दी न मा अस्ती का वास जागमा वसुदः परह
हे पा ही न हा त हे कं न कन्या ई दी नः पंचमी का दी न
अस्ती का भगमा वसुदः परह ष कारी गमा वसुदः संभो
ग गर नः ष षी का दी न अस्ती का क दी मा वसुदः परह

5
ष हे पा ही न्या हा त हे कं न कन्या ई दी नः सप्तमी का दी न अस्ती
का ना भी मा वसुदः परह ष हे पा ही न्या हा त हे म र द न ग नः
असमी का दी न अस्ती का द द मा वसुदः परह ष हे पा ही न्या हा
त हे मी ची दी नीः न व मी का दी न अस्ती का का षी मा वसु
दः परह ष हे पा ही न्या हा त हे मी ची दी नः दसमी का दी न
अस्ती का को षा मा वसुदः परह ष हे पा ही न्या हा त हे मी

चीदीनु॥ एकादशी कादीनमा अस्ती कागतामा वस्तुद॥ त
हेमीचीदीनु॥ द्वादशी कादीनमा अस्ती का कदीमा वस्तुद॥
पुरुषते मखते च मनागनु॥ त्रयोदशी कादीनामा अस्ती
का कुंभमा वस्तुद॥ पुरुषते च मनागनु॥ चतुर्दशी
कादीनमा अस्ती का नेत्रमा वस्तुद॥ पुरुषते च न
नागनु॥ पञ्चमी कादीनमा अस्ती का तीहमा वस्तुद॥

पुरुषते ता त हेमीचीदीनु॥ अस्ती वसे होरा॥ ईती
स्थायकमा अस्ती पुरुष अहंमहो॥ अथ कुत्तयक
माहा पुरुषको वा म अगमा कामदेव वस्तुद॥ अस्ती
काददीनमा अगमा वस्तुद॥ पते वा कादीनमा अस्ती का
सीरमा वस्तुद॥ पुरुषते वा म हा त हेमीचीदीनु॥

इ ती या का दी न अस्ती का द दी न गो व स त्त द ॥ प्र ह ष
ले च व ना ग न ॥ त्री ती या का दी न मा अस्ती का प्र ष मा
व स त्त द ॥ प्र ह ष ले च व ना ग न ॥ चौ थी का दी नी अस्ती
का क दी मा व स त्त द न ॥ प्र ह ष ले च व ना ग न ॥ पंच
मी का दी न अस्ती का ग रा मा व स त्त द ॥ प्र ह ष ले च व ना

कन्या ईदी नृ पक्षी का दी गा अत्ती का ददी न
 वा मा वत्तद ॥ पर वत्ते वा महा त ले क न कन्या ईदी न
 स कमी का दी गा अत्ती का ददी गा हा त मा वत्तद
 पर वत्ते वा महा त ले इ त न ग न ॥ अत्ती मा का दी
 न अत्ती का द मा वत्तद ॥

पुरुषले मदनग्रन्॥ नवमी कादीन अस्त्री का नामी मा व
 त्॥ पुरुषले अगा लो हरी दीन॥ ही तले गन्॥ दत्त
 मी कादीन अत्री का कदीमा वस्तु॥ पुरुषले वा म
 हा तले कन् कन्या ई दीन॥ ए कादसी कादीन अस्त्री
 का मग मा वस्तु॥

पुनर्वसु लीगलसी १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००

Handwritten text in Ge'ez script, consisting of approximately 8 lines of dense cursive writing.

[illegible][illegible]

15
10
5
0 cms. 5 10 15 20
Handwritten text in a cuneiform script, likely Sumerian or Akkadian, on a fragment of clay tablet. The text is arranged in approximately 10 lines. The script is well-preserved and clearly legible. The fragment is rectangular with slightly irregular edges.

Handwritten text in a cuneiform script, likely Sumerian or Akkadian, on a fragment of clay tablet. The text is arranged in approximately 10 lines. The script is well-preserved and clearly legible. The fragment is rectangular with slightly irregular edges.